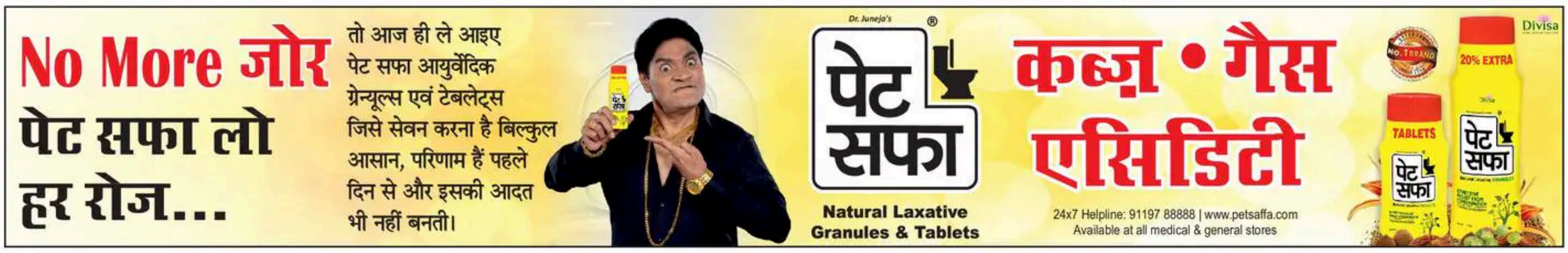


रूप चौदस की शुभकामनाएं...

युवा . शिक्षा . अवसर



डीएवीवी • प्लेसमेंट, नए एडमिशन या प्रतियोगी परीक्षाओं में जमा होने वाले दस्तावेजों में ये पूरी तरह मान्य

परिणाम आने के बाद मार्कशीट कॉलेज पहुंचने में लग रहे एक से चार माह, यूनिवर्सिटी डिजिटल उपलब्ध करवाएगी

भास्कर संवाददाता | इंदौर

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी (डीएवीवी) यूटीडी व संबद्धता प्राप्त कॉलेजों के छात्रों के लिए महत्वपूर्ण सुविधा शुरू करेगी। मार्कशीट, डुप्लीकेट मार्कशीट या माइग्रेशन के लिए आवेदन करने वाले छात्रों को डिजिटल दस्तावेज उपलब्ध करवाए जाएंगे। महज 24 घंटे से 7 दिन के भीतर छात्रों को यह डिजिटल दस्तावेज मिल जाएंगे।

खास बात यह है कि मूल दस्तावेजों की तरह ही ये दस्तावेज नए एडमिशन, प्लेसमेंट, प्रतियोगी परीक्षाओं में जमा होने वाले ऑनलाइन कागजातों में पूरी तरह मान्य होंगे, क्योंकि इन पर यूनिवर्सिटी की तरफ से डिजिटल हस्ताक्षर रहेंगे।

230 से ज्यादा कॉलेज हैं डीएवीवी से एफिलिएटेड

31 टीचिंग विभाग हैं तक्षशिला कैंपस में

385 कोर्स चल रहे हैं कॉलेजों व यूटीडी में

यह सुविधा शुरू होने से हजारों छात्रों को मिलेगा फायदा

दरअसल, परंपरागत व प्रोफेशनल कोर्स के यूजी-पीजी के परिणाम आने के बाद भी मूल मार्कशीट कॉलेजों तक पहुंचने में 1 से 4 माह तक का भी समय लग जाता है। इस दौरान ज्यादातर यूजी पासआउट छात्रों को पीजी एडमिशन के लिए मार्कशीट देना होती है। यही नहीं जॉब लगने, एमपी पीएससी की राज्य सेवा जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में जमा करवाने के लिए यह मार्कशीट अहम होती है। डीएवीवी की वेबसाइट पर जो जानकारी उपलब्ध होती है, उसका प्रिंट आउट इनमें से कहीं मान्य नहीं होता है। ऐसे में यह सुविधा शुरू होने से हजारों छात्रों को फायदा मिलेगा। इसके साथ ही माइग्रेशन भी डाक के जरिए पहुंचने में समय लगता है, इसलिए यह भी डिजिटल उपलब्ध करवाया जाएगा।

हर साल पास आउट हो रहे 65 हजार से ज्यादा छात्र

डीएवीवी से जुड़े कॉलेजों के 65 हजार से ज्यादा छात्र हर साल यूजी-पीजी में पासआउट होते हैं। इनमें यूजी में करीब 45 हजार, जबकि पीजी में 20 हजार छात्र होते हैं। इनमें से औसत 25% वे होते हैं जो देश-विदेश में पीजी एडमिशन लेते हैं या फिर प्राइवेट सेक्टर में जॉब शुरू करते हैं या फिर एमपी पीएससी, पीईबी आदि की प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होते हैं। इन छात्रों के लिए डिजिटल मार्कशीट बेहद उपयोगी साबित होगी। वहीं, यूनिवर्सिटी बदलकर पीजी कोर्स में एडमिशन लेने वाले छात्रों के लिए डिजिटल माइग्रेशन उपयोगी रहेगा।

प्रक्रिया जल्द शुरू करने का प्रयास

कुलपति प्रो. राकेश सिंघई कहते हैं कि जनवरी-फरवरी तक इसकी प्रक्रिया शुरू करने का प्रयास करेंगे। कोशिश रहेगी कि अगले साल जुलाई में प्रारंभ होने वाले नए सत्र तक यह सुविधा मिलना शुरू हो जाए। व्यवस्था सिर्फ यूजी फाइनल या पीजी अंतिम सेमेस्टर के छात्रों के लिए ही नहीं रहेगी। किसी भी ईयर व सेमेस्टर के छात्र आवेदन कर सकेंगे।

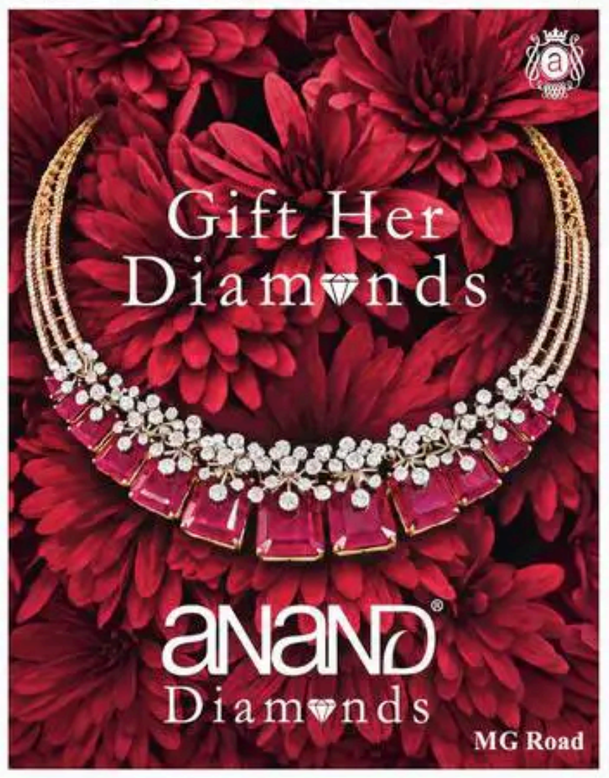
ऐसे तैयार होंगे डिजिटल दस्तावेज

- परिणाम घोषित होते ही मार्कलिस्ट वेबसाइट पर जारी की जाती है।
- 15 दिन बाद मार्कशीट तैयार करने की प्रक्रिया शुरू होती है। कॉलेजों तक पहुंचने में 30 दिन से 4 माह तक लगते हैं।
- नई व्यवस्था में आवेदन करते ही छात्र की मार्कलिस्ट के आधार पर ही डिजिटल मार्कशीट तैयार की जाएगी।
- यह मार्कशीट सीधे छात्रों को ई-मेल या आईडी-पासवर्ड के जरिए मिल जाएगी।

वर्ड ऑफ द डे

सिंथेटिक मीडिया

• सिंथेटिक मीडिया ऐसी डिजिटल सामग्री है, जिसे पूरी तरह या आंशिक रूप से AI की मदद से बनाया या बदला जाता है। इसमें तस्वीरें, वीडियो, आवाज और टेक्स्ट शामिल हैं। इसका इस्तेमाल फिल्मों, विज्ञापनों, शिक्षा और मनोरंजन में किया जा सकता है। इसी तकनीक से फर्जी खबरें, नकली वीडियो और भ्रामक सामग्री भी बनाई जा सकती है, इसलिए भारत में AI से तैयार सामग्री की पहचान करने और उस पर स्पष्ट लेबल लगाने की जरूरत है।



कैट के एडमिट कार्ड जारी, 29 नवंबर को होगी परीक्षा

एजुकेशन डेस्क | नई दिल्ली

29 नवंबर को होने वाले कॉमन एडमिशन टेस्ट (कैट) के एडमिट कार्ड जारी हो गए हैं। रजिस्ट्रेशन कराने वाले उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट iimcat.ac.in पर जाकर अपना एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें अपनी रजिस्टर्ड यूजर आईडी और पासवर्ड से लॉगिन करना होगा। एडमिट कार्ड में उम्मीदवार का नाम, रजिस्ट्रेशन नंबर, फोटो, परीक्षा केंद्र का पता, परीक्षा की तारीख, शिफ्ट और रिपोर्टिंग टाइम की जानकारी दी गई है। CAT 2026 की परीक्षा 29 नवंबर को देश के करीब 170 शहरों में तीन शिफ्ट में कंप्यूटर आधारित मोड में होगी। उम्मीदवार परीक्षा केंद्र पर एडमिट कार्ड का प्रिंटआउट और वैध फोटो पहचान पत्र जरूर लेकर जाएं।

शिक्षा विभाग : 491 हाईस्कूल प्राचार्य पदोन्नत, हायर सेकंडरी स्कूल का प्रभार

व्याख्याता, अध्यापकों के प्रमोशन का रास्ता भी हुआ साफ

भास्कर संवाददाता | इंदौर

मध्यप्रदेश स्कूल शिक्षा विभाग में पदोन्नति की प्रक्रिया तेज हो गई है। सचिवालय, उप संचालक, सहायक संचालक और संयुक्त संचालक स्तर पर प्रमोशन के बाद अब विभाग ने प्रदेश के 491 हाई स्कूल प्राचार्यों को हायर सेकंडरी स्कूल प्राचार्य के पद पर पदोन्नत कर उनकी नई पदस्थापना के आदेश जारी कर दिए हैं। इससे शासकीय शिक्षक संगठन की एक अहम मांग पूरी हो गई है, जिसमें उन्होंने प्रमोशन प्रक्रिया को वरिष्ठ पदों से शुरू करने का सुझाव दिया था।

15 दिन में करना होगा कार्यभार ग्रहण

विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार पदोन्नत किए गए सभी 491 प्राचार्यों को 15 दिन के भीतर अपनी नई पदस्थापना वाली संस्था में कार्यभार ग्रहण करना होगा। इस प्रक्रिया से लंबे समय से पदस्थापना का इंतजार कर रहे प्राचार्यों को राहत मिली है, साथ ही हायर सेकंडरी स्कूलों में प्राचार्यों के रिक्त पद भी भरे जा सकेंगे। स्कूल शिक्षा विभाग ने इससे पहले जुलाई में 557 हाई स्कूल प्राचार्यों को हायर सेकंडरी प्राचार्य के पद पर पदोन्नत किया था। हालांकि, प्रक्रियागत देरी के चलते इनमें से 56 प्राचार्य बिना नई पदस्थापना पाए ही सेवानिवृत्त हो गए थे। अब शेष 491 प्राचार्यों को नई जिम्मेदारी सौंप दी गई है, जिससे वे जल्द ही विद्यालयों की शैक्षणिक व प्रशासनिक व्यवस्था संभालेंगे।

सुझाव - चरणबद्ध हो प्रमोशन प्रक्रिया

हाल ही में शासकीय शिक्षक संगठन ने स्कूल शिक्षा विभाग से मांग की थी कि प्रमोशन प्रक्रिया पारदर्शी और न्यायसंगत बनाने के लिए टॉप-टू-बॉटम यानी वरिष्ठ से कनिष्ठ पदों की ओर अपनाई जाए। पदाधिकारियों ने सुझाव दिया था कि सबसे पहले हाई स्कूल से हायर सेकंडरी प्राचार्य बनाए जाएं। इसके बाद रिक्त होने वाले हाई स्कूल प्राचार्य के पदों पर व्याख्याता और उच्च माध्यमिक शिक्षकों को मौका दिया जाए। इसके बाद रिक्त पदों पर यूडीटी/माध्यमिक शिक्षकों को और अंत में सहायक/प्राथमिक शिक्षकों को प्रमोट किया जाए। संगठन का तर्क था कि यदि समानांतर प्रक्रिया अपनाई गई तो कई पद रिक्त होने के बावजूद पात्र कर्मचारियों को लाभ नहीं मिल पाएगा। हाई स्कूल प्राचार्यों की पदोन्नति के साथ ही अब व्याख्याता, प्राचार्य और अध्यापकों के प्रमोशन का रास्ता भी साफ हो गया है।

फेलोशिप • साइंटिस्ट से लेकर टीचर्स और सोशल वर्कर्स के लिए अवसर, कुछ फेलोशिप में विदेश में सीखने का भी मौका

टीचिंग से रिसर्च और लीडरशिप तक, इन 5 फेलोशिप के अवसर; 1.35 लाख रु. तक का स्टाइपेंड, जानें आवेदन की आखिरी तारीख

एजुकेशन डेस्क | नई दिल्ली

करियर में आगे बढ़ने और अपनी पसंद के क्षेत्र में काम करने के लिए फेलोशिप एक अच्छा अवसर हो सकती है। इसके जरिए युवाओं को पढ़ाने, शोध करने, पर्यावरण संरक्षण और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का मौका मिलता है। नवंबर और दिसंबर 2026 में ऐसी पांच फेलोशिप के लिए आवेदन किया जा सकता है। इनमें ग्रेजुएशन कर रहे युवाओं से लेकर पीएचडी धारकों और विदेश में काम कर रहे भारतीय वैज्ञानिकों तक के लिए अवसर हैं। इनमें सामाजिक विज्ञान के अनुभवी शोधकर्ताओं के लिए ICSSR सीनियर फेलोशिप, स्कूलों में पढ़ाने के इच्छुक युवाओं के लिए टीच फॉर इंडिया और हिमालयी क्षेत्र में पर्यावरण पर शोध करने वाले विद्यार्थियों के लिए ATREE फेलोशिप शामिल हैं।

1. ICSSR सीनियर फेलोशिप 2026-27

आखिरी तारीख: 20 नवंबर 2026

सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में योगदान देने वाले शोधकर्ताओं के लिए सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद ने आवेदन मांगे हैं।

- **योग्यता:** आवेदकों की उम्र 45 से 70 वर्ष के बीच होनी चाहिए। संबंधित विषय में पीएचडी और शोध प्रकाशनों का अच्छा रिकॉर्ड होना जरूरी है।
- **आर्थिक सहायता:** दो साल की फेलोशिप के दौरान हर महीने 45 हजार रुपए और सालाना 40 हजार रुपए आकस्मिक शोध खर्च के लिए दिए जाएंगे।

2. टीच फॉर इंडिया फेलोशिप 2027

आवेदन प्रक्रिया: 6 दिसंबर 2026

शिक्षा के क्षेत्र में काम करने व बच्चों को पढ़ाने का अनुभव हासिल करने के इच्छुक युवाओं के लिए यह फेलोशिप है।

- **योग्यता:** भारतीय नागरिक या ओसीआई कार्डधारक आवेदन कर सकते हैं। जून-जुलाई 2027 तक ग्रेजुएशन पूरा करने वाले युवा भी पात्र हैं।
- **आर्थिक सहायता:** हर महीने 30 हजार रुपए स्टाइपेंड दिया जाएगा। दूसरे शहर में नियुक्ति मिलने पर शहर के अनुसार 6 हजार से 12,600 रुपए तक अतिरिक्त भत्ता भी मिलेगा।



3. रामानुजन फेलोशिप 2027

आखिरी तारीख: 31 दिसंबर 2026

अनुसंधान के क्षेत्र में काम कर रहे भारतीय और भारतीय मूल के वैज्ञानिकों एवं इंजीनियरों के लिए यह महत्वपूर्ण अवसर है।

- **योग्यता:** 40 वर्ष से कम उम्र के भारतीय या भारतीय मूल के वैज्ञानिक और इंजीनियर आवेदन कर सकते हैं। विज्ञान या इंजीनियरिंग में पीएचडी अथवा समकक्ष उच्च डिग्री और शोध का अच्छा रिकॉर्ड जरूरी है। आवेदक को आवेदन के समय विदेश में कार्यरत होना चाहिए।
- **आर्थिक सहायता:** पांच साल की फेलोशिप में हर महीने 1.35 लाख रुपए दिए जाएंगे।

4. ATREE IHR फेलोशिप 2026

आखिरी तारीख: 4 दिसंबर 2026

अशोका ट्रस्ट फॉर रिसर्च इन इकोलॉजी एंड द एनवायरनमेंट पर्यावरण में काम करने के लिए ये फेलोशिप देता है।

- **योग्यता:** किसी भी विषय में मास्टर डिग्री कर रहे विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। आवेदक का भारतीय हिमालयी क्षेत्र के किसी विश्वविद्यालय में पढ़ना जरूरी है।
- **आर्थिक सहायता:** चयनित विद्यार्थियों को 75 हजार रुपए की सहायता दी जाएगी। आवेदन के साथ बायोडाटा और संस्थान का समर्थन पत्र ihr.fellowships@atree.org पर भेजें।

5. फोर्टिस फेलोशिप 2027

आखिरी तारीख: 8 नवंबर 2026

शिक्षा, स्वास्थ्य, सरकारी व्यवस्था, जैसे क्षेत्रों में सकारात्मक काम करने वाले लोगों के लिए फोर्टिस फेलोशिप देता है।

- **योग्यता:** किसी विशेष डिग्री की अनिवार्यता नहीं है। कम आय वाले परिवार से आने वाले और अपने प्रयासों से करियर में आगे बढ़ने वाले युवाओं को प्राथमिकता दी जाती है।
- **क्या मिलेगा :** पांच महीने के कार्यक्रम में व्यक्तिगत मेंटरशिप, प्रशिक्षण, विशेषज्ञों से जुड़ने और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का हिस्सा बनने का अवसर मिलेगा।

डीएवीवी : परीक्षाओं के बीच बीएलओ ड्यूटी में उलझे एक तिहाई कर्मचारी

आउटसोर्स के भरोसे होगा गोपनीय काम, 12 नवंबर से 11 दिसंबर तक रहेगी ड्यूटी

भास्कर संवाददाता | इंदौर

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी (डीएवीवी) में इन दिनों परीक्षाओं का अहम दौर चल रहा है, लेकिन परीक्षा और गोपनीय विभाग के कई कर्मचारियों की ड्यूटी बीएलओ में लगने जा रही है। इससे यूनिवर्सिटी के सामान्य कामकाज के साथ गोपनीय कार्य भी प्रभावित होंगे। कर्मचारियों की कमी के कारण गोपनीय काम भी आउटसोर्स कर्मचारियों से कराने की नौबत आ गई है। वर्तमान में पीजी (एमए, एमकॉम, एमएससी, एमबीए) थर्ड सेमेस्टर और लॉ (तीसरे, पांचवें, सातवें और नौवें सेमेस्टर) की करीब 35 परीक्षाएं चल रही हैं। इनमें 50 हजार से ज्यादा छात्र शामिल हैं और फिलहाल सभी के सिर्फ एक-एक पेपर ही हुए हैं।

यूनिवर्सिटी के परीक्षा और गोपनीय विभाग में कुल 150 कर्मचारी हैं। इनमें से 40 कर्मचारी परीक्षा विभाग और 10 कर्मचारी गोपनीय विभाग से बीएलओ ड्यूटी में लगा दिए गए हैं। 12 नवंबर से 11 दिसंबर तक चलने वाली इस ड्यूटी के कारण सीधे तौर पर एक तिहाई कर्मचारी कम हो जाएंगे। इस वजह से बचे हुए कर्मचारियों पर लोड बढ़ेगा। वहीं, गोपनीय कार्य होने के कारण आउटसोर्स कर्मचारियों से काम लेने में यूनिवर्सिटी को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा।

दिसंबर में और बढ़ेगी परेशानी, जनगणना ट्रेनिंग भी प्रस्तावित

डीएवीवी की परीक्षाओं का दूसरा दौर 1 दिसंबर से शुरू होना है। इसमें पीजी फर्स्ट सेमेस्टर (एमए, एमकॉम, एमएससी, बीएड, बीपीएड, एलएलएम) की परीक्षाएं कराई जाना हैं। इसके अलावा दिसंबर में ही जनगणना की ट्रेनिंग भी शुरू होने वाली है, जिसमें फिर से कर्मचारियों की ड्यूटी लगना है। ऐसे में परीक्षाओं का सुचारु संचालन विश्वविद्यालय के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है।

प्रशासन से करेंगे कर्मचारियों को कार्यमुक्त करने की अपील

परीक्षाओं के दौर के बीच बीएलओ में ड्यूटी लगने से बाकी कर्मचारियों पर काम का लोड बढ़ेगा। परीक्षा से जुड़े गोपनीय काम आउटसोर्स के कर्मचारियों से कराने की नौबत आ जाएगी। दीपावली के बाद हम जिला प्रशासन से गुजारिश करेंगे कि परीक्षा और गोपनीय विभाग के कर्मचारियों को इन ड्यूटी से मुक्त किया जाए। अपील की जाएगी कि कम से कम परीक्षा और गोपनीय विभाग के आधे कर्मचारियों को रिलीव कर दिया जाए।

– प्रो. अशेष तिवारी, परीक्षा नियंत्रक, डीएवीवी

डेली करंट अफेयर्स

रोनाल्डो ने लिया संन्यास

पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने 5 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने की घोषणा की। उन्होंने पुर्तगाल के लिए 23 साल तक फुटबॉल खेला। उन्होंने पुर्तगाल के लिए 234 मैच खेले और रिकॉर्ड 146 गोल किए। उनकी कप्तानी में टीम ने 2016 में पहली बार यूरो कप जीता। हालांकि, रोनाल्डो क्लब फुटबॉल खेलते रहेंगे।

Bank of India
रिश्तों की जमापूंजी
Relationship beyond banking

आंचलिक कार्यालय: स्टार हाउस, प्लॉट 9-आरसी, स्कीम नं. 134, एम. आर. 10, स्टार चौराहे के पास, इन्दौर 452010
फोन 0731 2445122-117-147

अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय सूचना

ई-नीलामी विक्रय सूचना प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन, हेतु ई-नीलामी विक्रय सूचना

आल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय सूचना आम लोगों को और विशेष रुप से उधार लेने वाले/जमानतदारों को यह नोटिस दिया जाता है कि निम्न वर्णित सारणी के कॉलम 3 में उल्लिखित अचल संपत्ति जो **प्रतिभूत लेनदार (बैंक ऑफ इंडिया)** के पास गिरवी / प्रभारित है, जिसका सांकेतिक/भौतिक कब्जा प्रतिभूत लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को **"जहां है ,जैसा है और जो कुछ भी है"** के आधार पर निम्नलिखित तालिका के कॉलम 2 में उल्लिखित ऋणी एवं जमानतदारों से बैंक ऑफ इंड़िया (प्रतिभूत लेनदार) की निम्नलिखित तालिका के कॉलम 4 में उल्लिखित राशि की वसूली हेतु **दिनांक 24.12.2026** को बेचा जाएगा। आरक्षित मूल्य एवं जमा योग्य अग्रिम धनराशि तालिका के कॉलम 6 व 7 में क्रमश: दी गई है।

ई-नीलामी दिनांक 24.12.2026 को प्रात: 11.00 बजे से शाम 5.00 बजे तक

शाखा का नाम (1)	ऋणी / जमानतदार का नाम (2)	संपत्ती का विवरण व स्वामी का नाम (3)	मांग सूचना 13(2) के तहत मांग नोटिस दिनांक व बकाया राशि (4)	आधिपत्य की दिनांक व प्रकार (5)	आरक्षित राशि (रू.) (6)	ईएमडी (7)
शाखा : एआरवी	**पुखराज सोनी पति स्व. लक्ष्मण सोनी (स्व. लक्ष्मण सोनी की कानूनी उत्तराधिकारी), सुनील सोनी पिता स्व. लक्ष्मण सोनी (जमानतदार और स्व. लक्ष्मण सोनी के कानूनी उत्तराधिकारी), राजेश सोनी पिता स्व. लक्ष्मण सोनी (जमानतदार और स्व. लक्ष्मण सोनी के कानूनी उत्तराधिकारी), सभी का पता :** मकान नंबर 48, नया नंबर 59, चंद्र शेखर आजाद मार्ग, देवास, म.प्र. - 455001	आवासीय भूमि और उस पर निर्मित भवन का समस्त भू भाग व अंश, मकान नंबर 48 ,नया नंबर 59, वार्ड नंबर 30, चंद्रशेखर आजाद मार्ग, तहसील और जिला देवास (म.प्र.) में स्थित, **क्षेत्रफल 900 वर्ग फीट, संपत्ति मालिक: लक्ष्मण पिता नारायणजी सोनी,** संपत्ति की **चतुर्सीमा** इस प्रकार हैं - **पूर्व :** चंद्रशेखर आजाद मार्ग, **पश्चिम :** गली, **उत्तर :** हकीमुद्दीन बोहरा का मकान, **दक्षिण:** हाजी फूलवाले का मकान	17.04.2021 ₹59,74,227.83 + ब्याज एवं अन्य खर्च	22.09.2021 सांकेतिक	₹ 48.00 लाख	₹ 4.80 लाख
शाखा : एआरवी	**मेसर्स रश्मि फूड्स एंड एग्रो इंडस्ट्रीज प्रोपराइटर :- श्रीमती रश्मि रांका पति पुष्पक रांका, . पता:-** प्लॉट नंबर डी-54, औद्योगिक क्षेत्र, ताजपुर, तहसील एवं जिला उज्जैन, म.प्र.- 456010, **श्रीमती रश्मि रांका पति पुष्पक रांका (प्रोप.) 1. पता :-** प्लॉट नंबर डी-54, औद्योगिक क्षेत्र, ताजपुर, तहसील एवं जिला उज्जैन, मध्य प्रदेश-456010, **2. पता:-** सी/ओ पुनित शर्मा, बी-50, आदिनाथ रेसीडेंसी, जिला उज्जैन, म.प्र.- 456010, **3. पता :-** मकान नंबर 9, आर.के. एवेन्यू, मित्तल होटल के पीछे, जिला उज्जैन, म.प्र.-456010, **4. पता :-** फ्लेट नंबर 603, 6वी मंजिल, प्रतीक्षा टावर, डॉ. अंबेडकर रोड, सिटी सर्वे नंबर 112/ए/2(भाग), टीका नंबर 8, गांव-पंचपखाड़ी, तहसील और जिला- ठाणे (पश्चिम), महाराष्ट्र- 400601	लीजहोल्ड संपत्ति का समस्त भू भाग व अंश , डी-54, ताजपुर इंडस्ट्रियल एरिया, तहसील और ज़िला-उज्जैन में स्थित, **क्षेत्रफल 800 वर्ग मीटर, मालिक श्री रश्मि फूड्स एंड एग्रो इंडस्ट्रीज, प्रोप्राइटर श्रीमती रश्मि रांका,** संपत्ति की **चतुर्सीमा:** (लीज डीड के अनुसार) - **उत्तर :** 12 मीटर रोड़, **दक्षिण :** प्लॉट नंबर डी-53, **पूर्व :** 18 मीटर चौड़ी रोड़, **पश्चिम :** प्लॉट नंबर डी-55	20.07.2026 ₹1,35,03,198.59 + ब्याज एवं अन्य खर्च	05.10.2026 सांकेतिक	₹ 63.12 लाख	₹ 6.32 लाख

क्रेता के द्वारा स्टाम्प शुल्क, बिक्री प्रमाण पत्र शुल्क, पंजीकरण शुल्क, टी.डी.एस. सरकार को देय सभी वैधानिक बकाया, कर और दरों और संपत्तियों से संबंधित कोई अन्य खर्च, मौजूदा और भविष्य, दोनों के लिए देय होगा। बिक्री प्रमाण पत्र केवल सफल बोलीदाता के नाम से ही जारी किया जाएगा।

ई-नीलामी सेवा प्रदाता की वेबसाईट **https://baanknet.com** बोलीकर्ता **https://baanknet.com**, नियम व शर्तों की अधिक जानकारी हेतु शैक्षणिक वीडियो के साथ देख सकते है। बोलीकर्ता को पूर्व में ही बोली पंजीयन की सभी औपचारिकताएं पूर्ण करना अनिवार्य है। नीलामी से संबंधित सभी जानकारी ई-नीलामी दिनांक से पहले ही प्राप्त कर लेने की सभी जवाबदारी बोलीकर्ता की रहेगी।

ए. सफल बोलीकर्ता को घोषणा के तुरंत बाद बिक्री मूल्य का 25% (पहले से भुगतान की गई ईएमडी घटाकर) जमा करना होगा।

बी. नीलामी- बिक्री की कार्यवाही में बैंकिंग लेनदेन का समय समाप्त होने के पश्चात, खरीद मूल्य का 25% (पहले से भुगतान की गई ईएमडी घटाकर) अगले कार्य दिवस तक जमा कराना होगा।

सी. बिक्री मूल्य की शेष राशि का भुगतान बिक्री की दिनांक से 15 वें (पंद्रहवें) दिन के भीतर जमा किया जाना होगा।

डी. उपर उल्लिखित अवधि के भीतर भुगतान न करने पर, जमा और बयाना धारा जब्त कर ली जाएगी और संपत्ति को फिर से बेच दिया जाएगा।

इ. सफल बोलीकर्ता की यह जिम्मेदारी होगी की आयकर अधिनियम की धारा **194-IA** के तहत लागू 1% की दर से टीडीएस जमा करना होगा, यदि इस तरह के प्रतिफल के लिए जमा या भुगतान की गई राशि का योग रु. 50 लाख या अधिक है। टीडीएस को फार्म **26QB** आनलाईन भरकर जमा कराना होगा और टीडीएस सर्टिफिकेट फार्म **16B** में जारी करना होगा। खरीदार को सरकारी खाते मे आयकर जमा करने का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।

एफ. बोली केवल ऑनलाइन प्रक्रिया के तहत की जाएगी।

जी. प्राधिकृत अधिकारी का उक्त ई-नीलामी को बिना किसी कारण बताए रद्द करने का सर्वाधिकार सुरक्षित रहेगा।

एच. आरक्षित मूल्य से कम से कम एक वृद्धि राशि जोडने पर ही बोली स्वीकार होगी।

दिनांक : 06.11.2026, स्थान: इन्दौर

प्राधिकृत अधिकारी: बैंक ऑफ इंडिया